



T 5/7

मूल आदेश / यथाप्रस्तावित स्वीकृत दिनांक 27/5/09, व अवान मु. व. 29, के अन्तर्गत धारा 143 ज. वि. अधि., ~~द्वारा~~ शाखायण बसोंस गाँव पंचायत, ग्राम बीरीसाधन, पर०-अल्देमऊ, तह. कादीपुर, जिला-अमरापुर -थापलय SDO(k) तारीख डे. 27/5/09 लेकमांड 443



मूल आदेश दिनांक 27/5/09 को द्यायापति साध में संलग्न है

प्राथमिक शिक्षणालय उपाध्यक्ष पुनः रामप्रसाद उपाध्यक्ष

नवभुवा महाविद्यालय इतनपुर वारी सहजिन परगना
 आदिमक तहसील कधीपुर जिवा सुलतानपुर द्वारा प्रस्तुत
 कार्य अन्तर्गत धारा 143 जनवि० आदि० की को के पर जोच
 किया। संलग्न खतीने के संदर्भित गेटे 889क, 1034

1037, 1039, 1046, 1047, 1035, 1036, 1043, 1044, 1045
 0-051 0-051 0-051 0-051 0-082 0-096 0-041 0-045 0-09

1048, 1057, 1058, 1059, 881-घ, 920क, 879, 1077ख,
 0-063 0-113 0-073 0-023 0-028 0-010 0-031 0-038 0-03

1085, 1086, 1028ड, 889ख, 1025, 869, 871, 872, 873
 0-035 0-076 0-126 0-063 0-379 1-076 0-038 0-038 0-039

875, 877, 878, 887घ, 889घ, 1028ज, 1026, 1051-च
 0-013 0-155 0-120 0-139 0-139 0-253 0-354 0-145

889ख, 855, 859, 865, 868, 876, 880, 882, 883
 0-136 0-051 0-038 0-013 0-013 0-013 0-019 0-066 0-051

889घ, 889घ, 889घ, 889घ, 889घ, 889घ, 1051-ग, 889
 0-063 0-126 0-149 0-126 0-126 0-126 0-051 0-063

889घ वर्तमान खतीने ग्राम वारी सहजिन में इशानारायण पुनःकाक
 0-063

नवभुवा महाविद्यालय के नाम संवत्सारीय भूमेधार की श्रेणी में अंकित
 है। उपरोक्त गेटों में या तो उक्त महाविद्यालय का भवन
 निर्मित है कहीं की 150 संकाय व की 100 एडो संकाय संघा-
 लित है तथा अन्य आराजि खेत के मेदान के क्षेत्रफल
 रूप में प्रयुक्त होती आ रही है। जो के पर संदर्भित आराजिमात
 जोती बोर्ड नहीं जाती है।

अतः उपरोक्त आराजि अकृतिक भूमे ही घोषित किया
 जाने हेतु आरक्षण अधिनियम की सेवा में घोषित है।

9-5-09

महोदय

प्राथमिक शिक्षणालय उपाध्यक्ष पुनः राम प्रसाद उपाध्यक्ष पुनःकाक नवभुवा
 महाविद्यालय इतनपुर वारी सहजिन परगना आदिमक तहसील कधीपुर जिवा सुलतानपुर
 द्वारा प्रस्तुत कार्य अन्तर्गत धारा 143 जनवि० आदि० की को के पर
 जोच किया गया संलग्न खतीने के संदर्भित गेटे वर्तमान खतीने के ग्राम
 वारी सहजिन में इशानारायण पुनःकाक नवभुवा महाविद्यालय के नाम संवत्सारीय
 भूमेधार की श्रेणी में अंकित है उक्त भूमेधार के या तो कहीं भवन के हैं
 कहीं की 150 संकाय व की 100 एडो संकाय संघालित है जोलाके मेदान के
 रूप में प्रयुक्त होती है संदर्भित भूमे ही के पर जोती बोर्ड नहीं
 जाती है।

अतः उपरोक्त आराजि अकृतिक भूमे ही घोषित किया जाने हेतु आरक्षण
 अधिनियम की सेवा में घोषित है।

स्तविक

म.ग.

नदी

11-5-09
 200-100
 आराजि